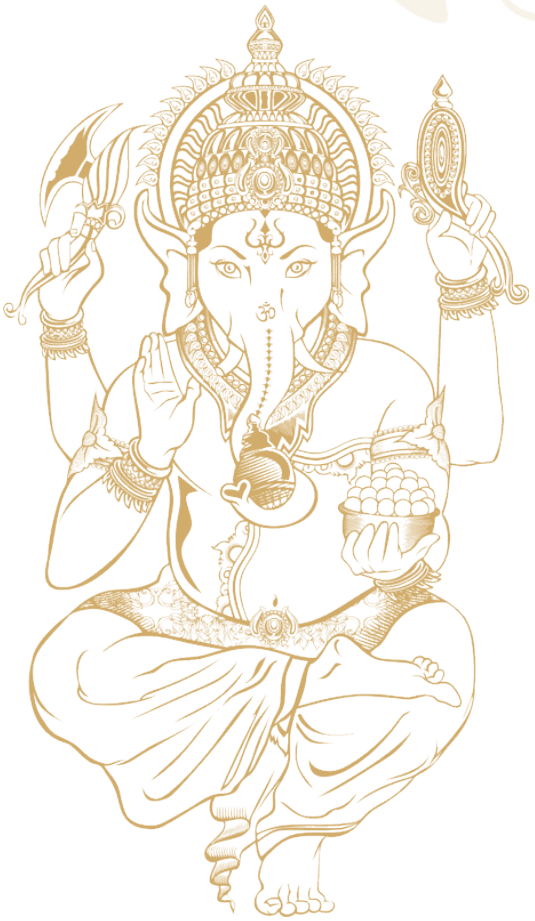

Rajneesh

28 May 1998

11:02 PM

Jind

Model: web-freekundliweb

Order No: 121478605

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/05/1998**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:02:00 घंटे**
इष्ट	43:57:49 घटी
स्थान	**Jind**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:19:00 उत्तर
रेखांश	76:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:37:28 घंटे
वेलान्तर	00:02:48 घंटे
साम्पातिक काल	15:01:41 घंटे
सूर्योदय	05:26:52 घंटे
सूर्यास्त	19:16:56 घंटे
दिनमान	13:50:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	13:21:13 वृष
लग्न के अंश	07:40:09 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	गण्ड
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	07:40:09	404:33:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
सूर्य			वृष	13:21:13	00:57:35	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	22:08:40	13:39:05	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	वृष	09:25:04	00:42:30	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
बुध			मेष	29:00:26	01:55:23	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	सम राशि
गुरु			मीन	00:24:16	00:08:33	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			मेष	04:42:52	01:09:42	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	सम राशि
शनि			मेष	04:58:22	00:06:31	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	नीच राशि
राहु	व		सिंह	11:49:25	00:07:20	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	11:49:25	00:07:20	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	18:51:37	00:00:32	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	08:10:31	00:00:45	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	12:50:53	00:01:38	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			तुला	24:03:15	--	विशाखा	--	16	शुक्र	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:57

लग्न-चलित

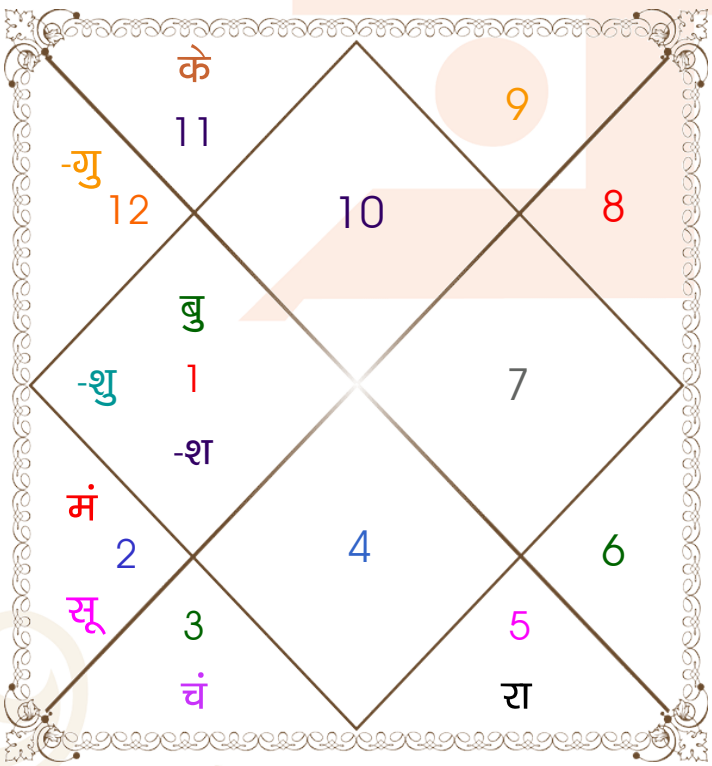

चन्द्र कुंडली

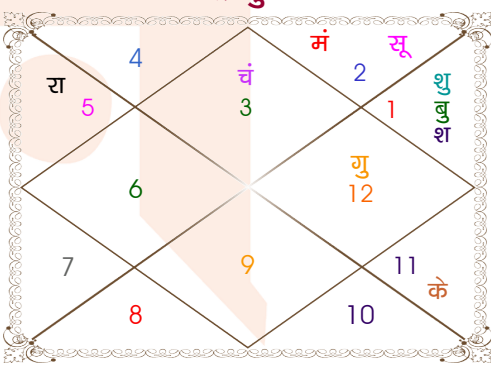

नवमांश कुंडली

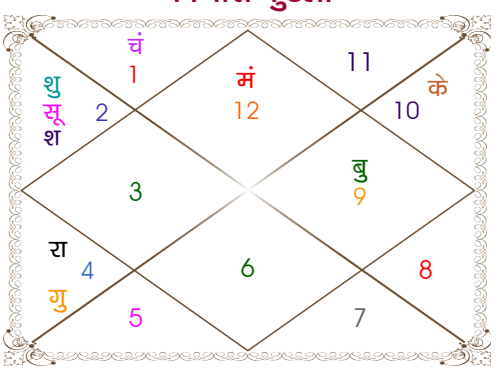

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 5 मास 3 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
28/05/1998		01/11/2011		31/10/2030		01/11/2047		31/10/2054	
01/11/2011		31/10/2030		01/11/2047		31/10/2054		31/10/2074	
	28/05/1998	शनि	03/11/2014	बुध	29/03/2033	केतु	29/03/2048	शुक्र	02/03/2058
शनि	01/07/2000	बुध	13/07/2017	केतु	26/03/2034	शुक्र	29/05/2049	सूर्य	02/03/2059
बुध	07/10/2002	केतु	22/08/2018	शुक्र	24/01/2037	सूर्य	04/10/2049	चंद्र	31/10/2060
केतु	13/09/2003	शुक्र	22/10/2021	सूर्य	30/11/2037	चंद्र	05/05/2050	मंगल	31/12/2061
शुक्र	14/05/2006	सूर्य	04/10/2022	चंद्र	02/05/2039	मंगल	01/10/2050	राहु	31/12/2064
सूर्य	02/03/2007	चंद्र	04/05/2024	मंगल	28/04/2040	राहु	19/10/2051	गुरु	01/09/2067
चंद्र	01/07/2008	मंगल	13/06/2025	राहु	15/11/2042	गुरु	24/09/2052	शनि	31/10/2070
मंगल	07/06/2009	राहु	19/04/2028	गुरु	20/02/2045	शनि	03/11/2053	बुध	31/08/2073
राहु	01/11/2011	गुरु	31/10/2030	शनि	01/11/2047	बुध	31/10/2054	केतु	31/10/2074

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
31/10/2074		31/10/2080		31/10/2090		31/10/2097		02/11/2115	
31/10/2080		31/10/2090		31/10/2097		02/11/2115		00/00/0000	
सूर्य	18/02/2075	चंद्र	31/08/2081	मंगल	29/03/2091	राहु	14/07/2100	गुरु	20/12/2117
चंद्र	19/08/2075	मंगल	01/04/2082	राहु	16/04/2092	गुरु	08/12/2102	शनि	29/05/2118
मंगल	25/12/2075	राहु	01/10/2083	गुरु	23/03/2093	शनि	14/10/2105		00/00/0000
राहु	18/11/2076	गुरु	30/01/2085	शनि	02/05/2094	बुध	02/05/2108		00/00/0000
गुरु	06/09/2077	शनि	31/08/2086	बुध	29/04/2095	केतु	21/05/2109		00/00/0000
शनि	19/08/2078	बुध	31/01/2088	केतु	25/09/2095	शुक्र	20/05/2112		00/00/0000
बुध	26/06/2079	केतु	31/08/2088	शुक्र	24/11/2096	सूर्य	14/04/2113		00/00/0000
केतु	01/11/2079	शुक्र	02/05/2090	सूर्य	01/04/2097	चंद्र	14/10/2114		00/00/0000
शुक्र	31/10/2080	सूर्य	31/10/2090	चंद्र	31/10/2097	मंगल	02/11/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 5 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मकर लग्न में मीन राशि के नवमांश एवं मकर राशि के द्रेष्काण के उदय काल में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति यह निर्दिष्ट कर रहा है कि आपका जीवन सौभाग्यशाली रहेगा। आपकी अभिलाषा के अनुकूल आपकी अच्छी बहुमत रहेगी। जो अनेक रिक्तियों की पूर्ति करेगा तथा भरपूर धनोपार्जन के लिए समर्थ होंगे। आप एक उत्साही व्यक्ति हैं। यह प्रदर्शित होता है, तथा आपकी अभिरूचि दर्शन शास्त्र अध्ययन की रहेगी। आप एक धार्मिक व्यक्ति हैं। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण करेंगे। आपकी आत्मा उदार है तथा आप स्वयं सेवी दान सेवी संस्था को दान प्रदान करेंगे।

आप एक ऐसा व्यक्ति हैं जो समाज में एक स्तम्भ की भांति विचारणीय है। आप मेधावी एवं बुद्धिमान हैं। आप किसी भी व्यक्ति को प्रभावित कर उसे मर्यादित एवं मानवता के गुणों से युक्त करेंगे। इस प्रकार अनेक व्यक्ति आपके निर्देशन हेतु पहुंचेगे तथा आप उनको संतुष्टि प्रदान करेंगे।

आप एक अधिकार प्राप्त करेंगे एवं धनी व्यक्तियों की दृष्टि में आदरणीय होंगे। वे सभी आपकी सहायता के लिए प्रवृत होंगे तथा आप उन लोगों से काफी संपत्ति उपार्जित करेंगे। आप एक मितव्ययी प्राणी होंगे तथा आर्थिक मामले में पूर्ण सतर्क रहेंगे। आप अपने धन को अच्छे कार्यो में व्यय करेंगे तथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के सुखदायक वातावरण का सृजन करेंगे। आपके उत्तम संतान होंगे। इस संबंध में आप भाग्यशाली हैं। वे अपने परिवार के नाम और प्रसिद्धि को बरकरार रखेंगे।

आपके लिए एक महत्वपूर्ण विषय पर विचार करना आवश्यक है कि आपके द्वारा लापरवाही करना निराशाजनक प्रवृति का द्योतक है। अपने कार्य व्यवसाय को संपादन करने में रूकावट करना ठीक नहीं हैं। आप किसी कार्य के विपरीत संकेत पाकर आपका हृदय टूट जाता है। आप धैर्यपूर्वक दोनों हाथों से कार्य व्यवसाय के संबंध में समुचित राह अपनाएं एवं हर दशा में कार्य में सफलता प्राप्त करें। अन्यथा आप रोगों को आमंत्रित करेंगे। यथा दुर्बलता एवं वायु एवं उदर रोग से आक्रांत हो जाएंगे। आप अन्य रोगादि के प्रतिकूल सतर्कता बरते तथा अपने पाचन क्रिया से संबंधित रोगों के प्रति भी सुरक्षात्मक कदम उठाएं।

अतएव आपको निर्दिष्ट किया जाता है कि छोटे-छोटे दैहिक रोगादि से क्षति ग्रस्त होने की आशंका है, अतः अकस्मात् छलांग लगाना अथवा ऊंचाई से गिर जाना आदि। ये सभी रोगादि को सुनिश्चिता नहीं है परंतु आपको प्रभावित कर सकता है। परंतु आपको इन रोगादि की संभावनाओं के प्रति विचार करना चाहिए तथा पहले से ही अपने स्वास्थ्य का संरक्षण करना सामान्यतया अच्छा होता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली एवं अनुकूल दिन शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार का दिन है। परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल चिंताकारक एवं व्ययकारक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 6, 9 एवं 8 अंक हैं। अंक 3 आपके लिए परेशानी वाला है। अतः इस अंक का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे। कृपया पीला एवं क्रीम रंग का परित्याग करें।